प्रा. राम मेघे तंत्रज्ञान व संशोधन संस्था की एक और शानदार उपलब्धि

● तीन विभागों को मिला एनबीए का मानांकन ● लगातार सात वर्ष बहुमान हासिल करनेवाला विद्यापीठ से संलग्नित पहला महाविद्यालय

प्रतिनिधि/वि.२७

अमरावती- स्थानीय विदर्भ यूथ वेलफेअर सोसायटी द्वारा संचालित प्रा. राम मेघे तंत्रज्ञान व संशोधन संस्था के मेकॅनिकल इंजिनिअरींग, इलेक्ट्रॉनिक्स एन्ड टेलीकम्युनिकेशन इंजिनिअरींग तथा सिव्हील इंजिनिअरींग इन तीन विभाग को नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन (एनबीए) द्वारा ३० जून २०२१ तक मानांकन प्रदान किया गया है. अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता एवं उपलब्धियों के लिए समूचे विदर्भ क्षेत्र में सबसे आगे रहनेवाले प्रा. राम मेघे तंत्रज्ञान व संशोधन संस्था के इन तीनों विभागों ने तीसरी बार प्रतिष्ठित माने जाते एनबीए मानांकन को हासिल किया है.

उल्लेखनीय है कि, एनबीए मानांकन को शैक्षणिक गुणवत्ता की गारंटी माना जाता है और मानांकित विभागों को एक तरह से राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त होती है. भारत में तकनीकी शिक्षा संस्थाओं की संख्या बढने के साथ ही गुणवत्ता के स्तर को बनाये रखने हेतु एनबीए की स्थापना की गई थी, जो शैक्षणिक गुणवत्ता के मापदंड निश्चित करते हुए तकनीकी शिक्षा संस्थाओं में गुणवत्ता संस्कृति को वृध्दिंगत करने का कार्य करती है. साथ ही इस बात की जांच भी करती है कि, इन संस्थाओं में उद्योगजगत, विद्यार्थी, पालक, कर्मचारी व समाज इन घटकों के हितों की रक्षा तंत्रशिक्षा के जरिये हो रही है अथवा नहीं. एनबीए द्वारा तय किये गये मापदंडों पर प्रा. राम मेघे तंत्रज्ञान व संशोधन संस्था महाविद्यालय हमेशा खरा उतरता आया है और यह क्षेत्र के विद्यार्थियों को सबसे अधिक रोजगार के अवसर उपलब्ध करानेवाले महाविद्यालय के तौर पर पहचान हासिल कर चुका है.

कठोर परिश्रम तथा गुणवत्ता को आंखों के सामने रखकर नियोजनबध्द ढंग से किये गये कामों को सफलता मिली है. संस्था पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के प्राचार्य, प्राध्यापकों व कर्मचारियों ने जिस ध्येय की प्राप्ती की है, उसके लिए वे अभिनंदन के पात्र है. महाविद्यालय का शैक्षणिक स्तर और विद्यार्थियों की सर्वांगीण प्रगती का आलेख भविष्य में भी उंचा उठता रहे, ऐसी आशा व्यक्त करता हूं.

- डॉ. नितीन घांडे, अध्यक्ष, विदर्भ यूथ वेलफेअर सोसायटी

विदर्भ में दूसरे क्रमांक की सबसे बडी शिक्षा संस्था विदर्भ यूथ वेलफेअर सोसायटी द्वारा संचालित प्रा. राम मेघे तंत्रज्ञान व संशोधन संस्था का ३७ वर्षों का गौरवपूर्ण इतिहास रहा है और इस महाविद्यालय के मेकॅनिकल इंजिनिअरींग, इलेक्ट्रॉनिक्स एन्ड टेलीकम्युनिकेशन इंजिनिअरींग तथा सिव्हील इंजिनिअरींग इन तीन विभागों को इससे पहले भी मानांकन प्राप्त हुए है. साथ ही महाराष्ट्र सरकार द्वारा इस महाविद्यालय को 'अ' वर्ग तंत्रशिक्षा संस्था का दर्जा प्रदान किया गया है. सर्वाधिक उल्लेखनीय बात यह है कि, इस महाविद्यालय को 'नॅक' की ओर से भी 'अ' वर्ग अधिस्वीकृति प्राप्त है.

मध्य भारत की एक प्रमुख तंत्रशिक्षा संस्था के रूप में परिचित इस महाविद्यालय ने हमेशा ही आधुनिकता को ध्यान में रखा है. साथ ही उच्च शैक्षणिक गुणवत्तापारक व अनुभवी प्राध्यापक इस महाविद्यालय की सबसे बडी ताकत है. इस महाविद्यालय के २० हजार से अधिक पूर्व विद्यार्थी आज विभिन्न नामांकित कंपनियों में उच्च पदों पर आसनस्थ है, जिनके अनुभवों का फायदा इस महाविद्यालय को समय-समय पर होता रहता है. साथ ही उनके जरिये महाविद्यालय द्वारा शिक्षा एवं औद्योगिक क्षेत्र की दूरी को कम करने का प्रयास किया जाता है. शैक्षणिक सत्र २०१८-१९ में महाविद्यालय के ५०३ तथा शैक्षणिक सत्र २०१९-२० में महाविद्यालय के ५८७ विद्यार्थी विविध नामांकित कंपनियों में नियुक्त हुए थे और गत वर्ष नियुक्त होनेवाले विद्यार्थियों को अधिकतम १० लाख व न्यूनतम साढे तीन लाख का पॅकेज प्राप्त हुआ. बडी इस वर्ष भी कोरोना संक्रमण की वजह से उत्पन्न हुई आर्थिक मंदी के दौरान भी महाविद्यालय ने अभूतपूर्व कार्य करते हुए अब तक ५१ विद्यार्थियों को विविध नामांकित कंपनियों में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये है. साथ ही जारी वर्ष की शुरूआत को देखते हुए उम्मीद है कि, गत वर्ष की संख्या को पीछे छोड दिया जायेगा.

एनबीए द्वारा महाविद्यालय के तीन विभागों को मानांकन मिलने के चलते विदर्भ यूथ वेलफेअर सोसायटी के अध्यक्ष डॉ. नितीन घांडे, उपाध्यक्ष एड. उदय देशमुख, कोषाध्यक्ष प्रा. डॉ. हेमंत देशमुख, सचिव युवराजसिंह चौधरी, कार्यकारिणी सदस्य शंकरराव काले, नितीन डिक्से, प्रा. रागिनी देशमुख, डॉ. वैशाली घांडे तथा प्रा. डॉ. पूनम चौधरी ने महाविद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारियों तथा विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी है.

ना आहे.

आज मराठा आरक्षण प्रकरण सुनावणीसाठी आले.

दर हा 90.62 टक्क्यांवर आला आहे. दिल्लीतील कोरोना पान २ वर

प्रा.राम मेघे संस्थेला 'एनबीए'चे मानांकन

कॉलेजच्या शिरपेचात मानाचा तुरा

प्रतिनिधी/२७ ऑक्टोबर

अमरावती - विदर्भ युथ वेलफेअर सोसायटीद्वारा संचलित प्रा. राम मेघे तंत्रज्ञान व संशोधन संस्थेच्या मेकॅनिकल इंजिनीअरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स अॅंड टेलिकम्युनिकेशन इंजिनिअरिंग व सिव्हिल इंजिनिअरिंग विभागाला एनबीएचे ३० जून २०२१ पर्यंत मानांकन देण्यात आले आहे. संस्थेला मानांकन मिळण्याची ही सलग सातवी वेळ आहे.

एनबीएचे मानांकन म्हणजे शैक्षणिक गुणवत्तेची हमी. मानांकित विभागांना एक प्रकारे राष्ट्रीय पातळीवर मान्यता मिळते. भारतातील तंत्र शिक्षण संस्थांची बेसुमार वाढ होत असताना गुणवत्तेतली घट रोखण्याच्या उद्देशाने एनबीएची स्थापना झालेली आहे. शैक्षणिक गुणवत्तेचे मापदंड निश्चित करून तंत्रशिक्षण संस्थांमध्ये गुणवत्ता संस्कृती वाढीस लावण्याचे मोलाचे काम एनबीए करीत असते. विदर्भातील दुसऱ्या क्रमांकाची संस्था असलेल्या विदर्भ युथ वेल्फेअर सोसायटी द्वारा संचालित प्रा. राम मेघे तंत्रज्ञान व संशोधन संस्थेचा ३७ वर्षाचा गौरवपूर्ण इतिहास आहे. महाराष्ट्र शासनाने महाविद्यालयाला 'अ' वर्ग तंत्रशिक्षण संस्थेचा दिलेला आहे. उल्लेखनीय बाब म्हणजे महाविद्यालयाला नॅकची 'अ' वर्ग अधिस्वीकृती प्राप्त आहे. महाविद्यालयाच्या आतापर्यंत २० हजार विद्यार्थांना नामांकीत कंपन्यांमध्ये नोकरी मिळाली आहे. एनबीए द्वारा तीन विभागांना मानांकन मिळाल्यामुळे सोसायटीचे अध्यक्ष डॉ. नितीन धांडे, उपाध्यक्ष अॅड. उदय देशमुख, कोषाध्यक्ष प्रा. डॉ. हेमंत देशमुख, सचिव युवराजसिंग चौधरी, कार्यकारणी सदस्य शंकर काळे, नितीन हिवसे, प्रा. रागिनी देशमुख, डॉ. वैशाली धांडे, प्रा. डॉ. पुनम चौधरी यांनी प्राचार्य, शिक्षक शिक्षकेत्तर कर्मचारी आणि विद्यार्थ्यांचे कौतुक व अभिनंदन केले आहे.

सलग सातव्यांदा सन्मान

कठोर परिश्रमाचे यश - नितीन धांडे

"संस्थेतील सर्व पदाधिकाऱ्यांच्या मार्गदर्शनाखाली, तसेच महाविद्यालयांचे प्राचार्य, प्राध्यापक, कर्मचारी यांनी कठोर परिश्रम घेऊन जी ध्येय प्राप्ती केली, याबद्दल सर्वांचे मनापासून अभिनंदन करतो. महाविद्यालयाचा शैक्षणिक दर्जा व विद्यार्थ्यांचा सर्वांगीण प्रगतीचा आलेख भविष्यात असाच उंचावत राहील, अशी अपेक्षा संस्थेला एनबीएचे मानांकन सलग सातव्यांदा मिळाल्याबद्दल संस्थेचे अध्यक्ष नितीन धांडे यांनी व्यक्त केली आहे.